महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

बी.एड्. विभाग

जीवन मूल्य प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

उद्देश्य –

- विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्द्धन करना।
- विद्यार्थियों में अमूर्त चिंतन कौशल के विकास करना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक–सांस्कृतिक नवाचार लाने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में सहायक होना।
- विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर करना।

च्वाइस बेस्ट क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का प्रारूप

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	व्याख्यान	मुक्त परिचर्चा	कुल अवधि घंटे
जीवन मूल्य 101	जीवन मूल्य	2	20	10	30

प्रश्नपत्र जीवन मूल्य 2 क्रेडिट

पाठ्यचर्या

क्रं.सं.	विषयवस्तु
इकाई 1 –	**सृष्टि : उत्पत्ति एवं विकास –** सृष्टि क्या है? पृथ्वी की उत्पत्ति, पृथ्वी पर जीवन प्राणियों की उत्पत्ति। **आदि मानव –** आदि मानव का युग, आदि मानव का जीवन, अन्य प्राणियों और आदि मानव में अन्तर आदि मानव की प्रारम्भिक विकास यात्रा।
इकाई 2 –	**संस्कृति एवं सभ्यता का विकास –** वनस्पतियों में मानव निवास, नगरों का विकास, सामूहिक जीवन पद्धति की विकास यात्रा, जीवनोपयोगी वस्तुओं की खोज, निर्माण एवं विकास संस्कार एवं सभ्य जीवन की अवधारणा का विकास, संस्कृति एवं सभ्यता का जन्म, क्रमिक विकास यात्रा, देव अवधारणा का जन्म एवं विकास, पद्धतियों का जन्म एवं विकास। मानव जीवन – मानव जीवन का क्रमशः बदलता अभिप्राय, जीवन उद्देश्य, पुरूषार्थ चतुण्य (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष,)।
इकाई 3 –	**जीवन मूल्य –** मानव जीवनोद्देश्य की प्राप्ति के साधन रूप में जीवन मूल्य का विकास, संस्कार, धर्म की भारतीय अवधारणा, जीवन मूल्य के रूप में धर्म के दस लक्षण, पंच महायज्ञ, प्रकृति पूजा, आत्मा एवं परमात्मा की अवधारणा तथा जीवन मूल्य के सृजन में योगदान, ज्ञान–कर्म–भक्ति जीवन मूल्य के विविध घटक।
इकाई 4 –	**मैं और मेरा भारत –** व्यक्ति, समाज और राष्ट्र में अन्तर्सम्बन्ध, जीवन समाज एवं राष्ट्र के लिए भी, भारत की विविधता में एकता के सांचे में व्यक्ति, उपासना और राष्ट्रीयता का अन्तर्सम्बन्ध, राष्ट्रीय एकता–अखण्डता सर्वोपरि, राष्ट्र व्यक्तिगत आस्था, उपासना एवं धर्म से बड़ा मैं और मेरा भारत।

अधिगम सम्बन्धी परिणाम –

1. जीवन मूल्य विषय से विद्यार्थियों में अनुशासन का विकास होता है।
2. विद्यार्थी मूल्य आधारित जीवन जीने के मार्ग का चयन करते हैं।
3. जीवन मूल्य विषय से विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता का विकास होता है।
4. विद्यार्थी में अपने संस्कारों के प्रति आस्था उत्पन्न होता है।
5. विद्यार्थी अपने नैतिक जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील होते है।